IAS Mentorship

With Reyasat Ali sir & Experienced team in CSE prep

CSE Main 2023: Mini Mock Test 4

Syllabus:	• • Art & Culture • •	
Name of Candidate	MOHAN MANGAWA	
Email Id		
Date		Medium: Hindi / English
Time: 1 Hour	Start Time:	End Time:

Q. No.	Max. Marks	Marks obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	15	
5	15	
6	15	
7	15	
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total	90	
Invigilator	Signature	

total 39.5

Dear aspirant

your knowledge base is excellent the content is also very good examples given by you are apt and to the points
clearity in thoughts is also good but some time you have digressed from the issue that should be avoided like in question number 3

structuring is also very good conclusion can be better in some of the questions like question 3

presentation is also good but you need to incorporate years and time line wherever required without incorporation of that you will always loose on marks

good attempt overall you have a brilliant chance of selection

all the best and keep writing

WhatsApp/Telegram/Text/Call: 8090528260

Q1. Periods of The Chalukyas of Gujrat, The Paramara of Malawa and The Ganga of K[illegible] the most significance phases in the history of Jainism before its decline. Enumerate 150 words

good introduction you are mention the timeline well it's better if you can add some dimensions relating to Jainism and rise in post Gupta period

गुप्त काल की [illegible] बाद व मध्यकालीन प्रारंभ के [illegible] धर्म के महत्व में पुनरुत्थान देखा [illegible] है जो मुख्यतः पश्चिमी-दक्षिणी [illegible] परिलक्षित होता है।

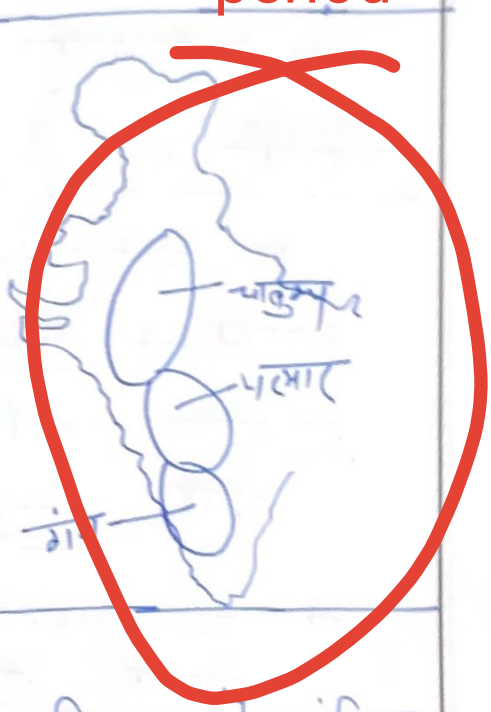

जैन धर्म को योगदान

the sort of diagrams are not required either draw them properly or please do not draw them at all

चालुक्य वंश द्वारा

→ जैन धर्म को राजकीय संरक्षण

→ साहित्य के क्षेत्र में कई नॉन-कैनोनिकल ग्रन्थ रचना

→ वास्तुकला → भीम II → दिलवाड़ा जैन मंदिर (माउंट आबू)

→ कुमारपाल → मूलवस्तिका मंदिर (श्वेतांबर)

good examples given

परमार वंश द्वारा | → मुख्यत: हिंदु- शैव धर्म का परिपालन परन्तु जैन धर्म संरक्षण का भी → मुख्यत: वास्तुकला क्षेत्र
↳ वल्लभेश्वर मंदिर
→ उदयपुर शहर में कई छोटे जैन मंदिर को आर्थिक सहायता।
→ सहिष्णुता व संरक्षण द्वारा योगदान

पश्चिमी गंग | → कर्नाटक क्षेत्र में साहित्यिक व मंदिर कला द्वारा जैन धर्म को अवदान → पंचकूट बसदि, चामुंडराय मंदिर
साहित्यिक कार्य में – जिनसेन जैन गुरु द्वारा आदिपुराण – महापुराण की रचना
→ कन्नड साहित्य के जैन त्रिरत्न पंपा- पोन्ना- रन्ना भी इसी काल में।

इस प्रकार आरंभिक वास्तुशास्त्रीय व राजकीय संरक्षण योगदान ने जैन धर्म के अस्तित्व को नव-ऊर्जा प्रदान की जो वर्तमान में भी स्फूर्त है।

it's better if you can add timeline office dynasty's the year should be mentioned in historical questions to give it authenticity to your answer

very good answer dimensions well examples are also given to the point good conclusion as well

4/10

Q2. Discus the contribution of Raja Ravi Verma to Indian Art, who is also known as the Father of modern Indian art. 150 words

राजा रवि वर्मा 18 वीं शताब्दी के सबसे महान भारतीय चित्रकार थे जिनके योगदान के कारण 1902 में लार्ड कर्जन द्वारा इन्हें 'कैसर-ए-हिन्द' उपाधि द्वारा नवाजा गया।

very good introduction mention Raja Ravi Verma as the creator of impression is start form which synthesis of Britishers as well as Indian features

योगदान

① कला-क्षेत्र में → 7000 से अधिक पेंटिंग

↳ धर्मनिरपेक्ष चित्रकारी की शुरुआत

↳ प्राचीन पौराणिक व मिथकीय खंडों का चित्रण → शकुंतला - दुष्यन्त मिलाप

↳ जातीय-पदानुक्रम को तोड़ते हुए अपनी चित्रकारी में निम्न वर्ग का भी चित्रण

↳ पश्चिमी वास्तविकतावादी चित्रकारी को भारतीय सौंदर्यशास्त्रीय चित्रों से जोड़ा

↳ तेल चित्रकला (लिथोग्राफिक) की शुरुआत की

this contribution to Indian art forms is unpailed you have covered that dimensions well

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

स्वतंत्रता संग्राम।

↳ आरंभिक राष्ट्रवाद जगाने हेतु प्राचीन चित्रों का अंकन → भारत का माता के रूप में प्रारंभिक रूपांतरण

↳ भारतीय अस्मिता व सांस्कृतिक पहचान का चित्रण → तिलक के गणपति दर्शन व उत्सव को दिशा दिखायी

↳ महाराष्ट्र में प्लेग के समय जमीनी स्तर पर कार्य → आर्थिक सहायता

↳ मलयालम और उत्तर भारतीय संस्कृतियों का आरंभिक एकीकरण।

इस प्रकार राजा रवि वर्मा ने अपने बहुआयामी व्यक्तित्व द्वारा नवजागरण को एक नई दिशा प्रदान की व भारतीय कला-साहित्य को नई पीढ़ी में सुदृढ़ करके छोड़ा।

these were the religious features of the Raja Ravi Verma arts, some of the secular features needs to be incorporated

this point is not relevant

good conclusion to the point and crisp
4.5/10

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q3. Evaluate the nature of the Sufi Movement and its contribution to Indian culture. Also explain how Sufism is relevant in India in the present times? 150 words

सूफी आंदोलन से तात्पर्य मुस्लिम विचारधाराओं का उदारवादी स्वरूप है जो इश्क-हकीकी व इश्क मजाजी जैसे द्वलोकों के द्वारा खुदा-बंदे का एकाकार में विश्वास करता है।

mention them to be movement against the radical teachings of Islam in consonance with bhakti movement

सूफी आंदोलन की प्रकृति

↳ उदारवादी व नवीन विचारों का समागम

↳ भारतीय संस्कृति के साथ एकाकार

↳ योग, संगीत को अपनाया

↳ प्राचीन भारतीय धर्मों के अच्छे विचारों को ग्रहण → सहिष्णुता व सद्भाव पर जोर।

using music to show their devotion to God

also they practice meditation

सूफी आंदोलन का योगदान

↳ तत्कालीन साम्प्रदायिक दंगों को शांत करने में भूमिका → हिंदु-मुस्लिम एकता पर बल

there were no riots at that time you have linked it to pre independence phase

↳ धार्मिक आडंबरों पर चोट
↳ नये विचारों का समामेलन → ईश्वर पूजा व परंपरा में उदारता
↳ भक्ति आंदोलन के इस रूप को मजबूत किया। ⇒ कबीर, नानक, दादू के विचारों को ग्रहण किया।
↳ व्यापक सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलन के रूप में ⇒ चिश्ती सिलसिले द्वारा मुस्लिम कट्टरता का विरोध।

other features included ursa that was organised at the dargah which acted as a sort of communal harmony

वर्तमान में प्रासंगिकता

↳ बढ़ता इस्लामोफोबिया को दूर करने ⇒ नैतिकता व सहिष्णुता पर चोट देकर
↳ इस्लाम के वैज्ञानिक व तार्किक सिद्धान्तों को पेश करके ⇒ धार्मिक सुधार, बढ़ती कट्टरता पर अंकुश
↳ विविधतापूर्ण समाज में प्रेम-धारा बहने हेतु आज सूफी धारा की जरूरत

इस प्रकार सूफी आंदोलन ने इस समय इस्लाम को उदारवादी बनाया जब वह अन्य संस्कृतियों के साथ टकराव की स्थिति में था।

good but examples of some of the sufi saints needs to be incorporated without examples of saints and sislsilas your answer is incomplete

3/10

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q4. As Gautam Buddha was the first diplomat of peace, his teachings of peace, cooperation and Buddhist literature in the present tough time can become the guiding light for the Indian diplomacy on the world stage. Comment 150 words

वैश्विक युद्ध संकट और बढ़ती आतंकी गतिविधियों ने महात्मा बुद्ध के शांति व सर्व धर्म समभाव भावना की प्रासंगिकता को एक बार पुनः परिभाषित किया है।

you can always start your answer with bhudda circuits established by the government of India for soft core diplomacy

महात्मा बुद्ध की शिक्षाएं –

- आत्मदीपो भव: का भाव
- अहिंसा व आत्मिक शांति पर बल
- अपरिग्रह व अस्तेय के साथ सहयोगात्मक नजरिये पर बल
- त्रिपिटक → सुत, विनय, अभिधम्म व्यक्ति, समाज, देश काल के आचरण को नैतिकता की कोटि पर निर्धारित
- त्रिरत्न → बुद्ध, धम्म, संघ के द्वारा

most important is middle path that was indoctrinated by the bhuddha that way world can exist in peace

वैचारिक शुद्धता को लेकर चेतावनी।

भारतीय दृष्टि के लिए प्रकाशपुंज के रूप में - कैसे

↳ वैश्विक शांति की पहल → G20, UNSC का सदस्य होने के नाते जिम्मेदारी

↳ सॉफ्ट डिप्लोमेसी का प्रयोग कर कैसे आर्थिक - सामाजिक गरीबी हेतु कार्य

↳ भारत द्वारा कोरोना काल में वैक्सीन सप्लाई, अफ्रीकी देशों को अनाज उपलब्धता

↳ स्त्री स्वतंत्रता व समानता हेतु बुद्ध के धम्म नीति का परिपालन

↳ महिला प्रतिनिधित्व व समावेशन पर बल द्वारा

↳ UN में भारतीय प्रतिनिधि स्वयं महिला ही → स्वच्छता अभियान

the responsibility is there even if India is not president of g 20

good points mentioned

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

↳ भारत की पड़ोसी देशों के साथ मित्रता वाली व संकट के समय सबसे पहले सहायता ⇒ बुद्ध की सर्वसुलभता सिद्धान्त की पालना

↳ वैश्विक इंजन के रूप में उभरता भारत बुद्ध के प्रत्युत्पसमुत्पाद सिद्धांत का पालन कर रहा है ⇒ विनाश से ज्यादा निर्माण पर जोर → मेक इन इंडिया

↳ वैश्विक कट्टरता, आतंकवाद व बढ़ते जलवायु परिवर्तन का सामना करने हेतु बुद्ध का आष्टांगिक मार्ग प्रयोग बेहतर विकल्प है जो आत्मीय शुद्धता पर बल देता है।

इस प्रकार महात्मा बुद्ध के वैचारिक प्रयोग वर्तमान वैश्विक दशा को बदलने और एक सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने में प्रभावी भूमिका निभायेंगे जो SDG लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सबसे जरूरी है।

work on orientation dimension covered are good establishment of bhuddha circuits needs to be incorporated

rest is good 7/15

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q.5 Evaluate the Mughal Period in terms its contribution in the field of art, literature and architecture. 250 words

मुगल काल मध्यकालीन इतिहास का राजनीतिक - सामाजिक - सांस्कृतिक व कला क्षेत्रों की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण रहा है जो बाबर द्वारा रखी गयी नींव की परिणति औरंगजेब काल तक प्राप्त करता है

always add time in your answer like battle of Panipat 1556 and death of Aurangzeb 1707

① कला क्षेत्र में

चित्रकला → जहांगीर के काल में अपनी पराकाष्ठा पर → पेंसिल प्रयोग चित्र प्रसिद्ध

→ मुगल दरबारी चित्रों की अधिकता

↳ धर्मनिरपेक्ष, प्राकृतिक चित्रण

↳ अकबर द्वारा अलग से चित्रशाला का निर्माण → अनवर-ए-सुहेली

↳ इस्लामिक उदारवाद की छाप → जो मनुष्य चित्र बनाने को भी स्वीकारती है

↳ मीर सैयद अली, अब्दुस समद व बसावन मुख्य

good you have mentioned really well Mughals pictures

संगीत कला | → हिन्दुस्तानी संगीत का फारसी के कव्वाली से मिलन

↳ सरोद व सितार प्रयोग पर बल

↳ संगीत घरानों का विकास

development of Urdu
contribution of data shikho should also be mentioned

नृत्य | → कत्थक नृत्य का मुख्यतः हिन्दुस्तानी के साथ समागम

kathak was from nawabs of Lucknow not Mughals

↳ नृत्य को राजकीय आश्रय प्राप्ति

↳ लोक नृत्य → भांगड़ा, गाँध आदि का भी उद्गम इसी काल में।

② साहित्य | → मुख्यतः जीवनी लिखने का चलन

↳ तुजुक-ए-बाबरी अकबरनामा आदि

↳ राजकीय भाषा फारसी परन्तु उर्दू व हिन्दी का भी विकास। दारा शिकोह द्वारा उपनिषदों का अनुवाद

↳ राजकीय दैनिक कार्य, आर्थिक-राजनीतिक

Humayun nama
babarnama

सामाजिक ताने-बाने का चित्रण साहित्य द्वारा
↳ मिन्हाज-उस-सिराज, अबुल फज़ल का अकबरनामा

③ वास्तुकला → वास्तुकला का स्वर्ण काल
↳ हुमायूँ द्वारा → कश्मीर बाग व चारबाग शैली का प्रादुर्भाव
↳ अकबर → बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी, आगरा किला, पंचमहल आदि।
↳ शाहजहाँ → ताज महल, लाल किला, दिल्ली की जामा मस्जिद।

वास्तुकला विशेषताएँ
↳ लिंटल शहतीर की जगह मेहराबदार शैली
↳ नक्काशी व पित्रा-दुरा प्रयोग
↳ अकबर द्वारा लाल-बलुआ पत्थर जबकि शाहजहाँ-जहाँगीर द्वारा संगमरमर।
↳ चारबाग व मीनार उपस्थिति अद्वितीय।

इस प्रकार हर क्षेत्र में मुगल काल अपने परवर्ती कालों से आगे रहा तथा आने वाले ब्रिटिश काल में भी इतनी कला-क्षेत्र प्रगति नहीं हो पाई जो एक महत्वपूर्ण योगदान है।

Aurangzeb humayun tomb etc needs to be incorporated

very good answer 7/15

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team I 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q6. Elaborate on the Mauryan Empire periods contributions to the Indian Art and Architecture and their significance. 250 words

मैगस्थनीज (ग्रीक राजदूत) की 'इंडिका' पुस्तक के अनुसार मौर्य काल की सामाजिक - राजनीतिक स्थिति के साथ ही इसके कला - क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण गति देखी गई जो परवर्ती कालों तक अपना प्रभाव छोड़ती है।

indica doesn't really covered all the dimensions stupas were discovered during time of Britishers so we're the ajanta ellora caves

कला क्षेत्र में योगदान

भित्ति चित्रकारी → भीमबेटका व उड़ीसा के कालाहांडी क्षेत्रों में कई प्रस्तर चित्रकारियां।

विशेषताऐं → तत्कालीन समाज का चित्रण

↳ धार्मिक अनुष्ठान व बौद्ध - जैन धर्म का उत्थान चित्रण प्रमुख → छत्तीसगढ़ का कालाहांडी में शैल चित्रकला।

↳ महिलाओं व दासों की स्थिति का ज्ञान।

cave architecture have to be properly mentioned ther were other examples also

साहित्यिक → चाणक्य की 'अर्थशास्त्र'
↳ मेगास्थनीज की इंडिका
↳ पेन व बुद्धों के नॉन-कैनोनिकल साहित्य।
↳ तृतीय बौद्ध संगीति पाटलिपुत्र में अभिधम्मपिटक की रचना
↳ जातक साहित्य → बुद्ध संबंधी लौकिक कथा साहित्य।

also mention wooden pillar palace of chandragupta maurya

वास्तुकला अवधान

① गुफा वास्तुकला → नागार्जुनी व बराबर गुफा
↳ विहार व चैत्य निर्माण
↓ ↓
रहवास धार्मिक पूजा हेतु

② स्तंभ & शिलालेख
↳ राजकीय आदेशों का अंकन
↳ अशोक के धार्मिक नैतिकता संबंधी विचारों का अंकन

mention some of the famous rock edicts like maski

↳ सारनाथ स्तंभ में प्रयुक्त 'शेर' शक्ति के साथ संयम का प्रतीक

↳ प्रत्येक स्तंभ पर कुछ जानवर की उपस्थिति – बैल, शेर, घोड़ा आदि।

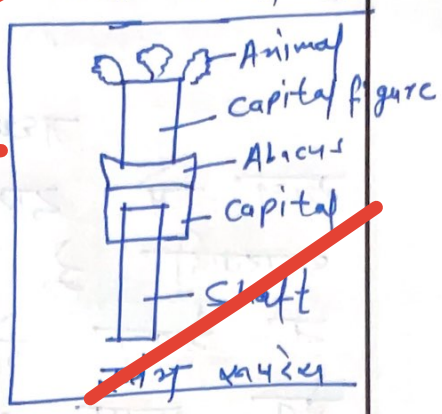

③ स्तूप – बुद्ध के पार्थिव अंगों के संरक्षण हेतु बनाया गया टीलानुमा आकृति की संरचना

→ मुख्यतः पत्थर से निर्माण

→ धार्मिक स्थलों के रूप में प्रसिद्धि – कार्ले का चैत्य

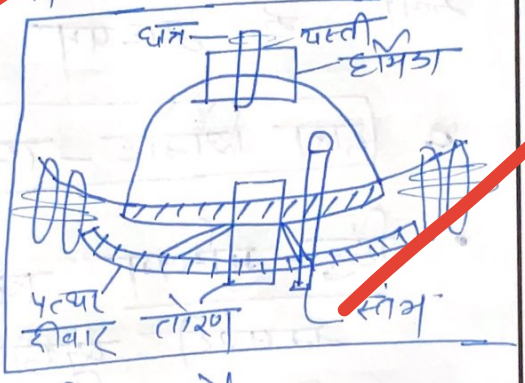

इस प्रकार प्राचीन काल में मौर्य काल कला के क्षेत्र में महान युग साबित हुआ जिसने स्थापत्यगत निर्माण को पहली बार यथार्थता प्रदान की।

good that's needed
you have drawn good
diagram for the stupas

also you have covered
the dimensions well

7/15

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q7. Dara Shikoh effort to find commonalities between Hindu and Islamic traditions did not have long-reaching impact. However, magnitude of his devotion to finding similarity and urging those of his faith to understand the two faiths intersect and contain methods to understand each other has great significance in Indian History. Discuss 250 words

मध्यकालीन धार्मिक कट्टरता के काल में दारा शिकोह एक ऐसे धार्मिक उदारवादी के रूप में प्रस्तुत हुए जिन्होंने न केवल दो संस्कृतियों को मिलाने हेतु प्रयास किए बल्कि सहिष्णुता हेतु कई व्यक्तिगत प्रयास क्रमी साहित्यिक कला के माध्यम से किए।

mention him to be eldest son of shahjahan

दारा शिकोह - एक उदार मुसलमान राजा

- हिंदु - मुस्लिम एकता का संदेश → कम्सबंदी सूफी सिलसिले का समर्थन करके।
- प्राचीन हिंदु ग्रन्थों उपनिषद, गीता पुराण आदि का फारसी में अनुवाद 'मजमा-उल-बहरीन' नाम से।

also sark e akbari is his translation of Upanishads into persian language

- औरंगजेब की कट्टरवादी नीतियों का विरोध किया व कट्टर शाहजहाँ को एक सहिष्णु - प्रेमी राजा के रूप में बदला।

the battle was for throne not religious harmony

- सिक्खों के सातवें गुरु हरराय के साथ संवाद स्थापना → अर्जुनदेव के काल से चली आ रही खटास को कम किया।

परन्तु इन छल्लों के बावजूद दीर्घकालिक प्रभाव नहीं पड़ पाये

↳ औरंगजेब का कट्टरवादी नीतियां
↳ इस्लाम की तीखी व्याख्या
↳ बुतशिकन कार्य → मंदिरों का नरसंहार
↳ जाटों, राजपूतों से युद्ध एवं धार्मिक युद्धों में बदला

↳ दारा शिकोह की जल्दी मृत्यु → 1659 ई०

also he was defeated by Aurangzeb in battle of dharmat

दारा शिकोह का योगदान

- जो कार्य सूफीवाद नहीं कर पाया उसे दारा द्वारा अभिजात स्तर पर → दो धर्मों का आत्मिक मिलन कराया।
- धर्मांतरण व डर के माहौल की बजाय बेहतर रुझान के रूप में सभी पक्षों को समर्थन
- जजिया से समाप्ति, हिंदुओं पर मंदिर निर्माण प्रतिबंधों को हटाकर एक सहिष्णु माहौल निर्माण।

इस प्रकार दो संस्कृतियों के मिलन का कार्य व आपसी गलतफहमियों की भावना के विनाश हेतु दारा शिकोह का योगदान भारतीय इतिहास में अमूल्य है।